

23वें वधिआयोग का गठन

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में वधि एवं न्याय मंत्रालय ने 1 सितंबर, 2024 से 31 अगस्त, 2027 तक **तीन वर्ष की अवधि** के लिये [23वें वधिआयोग](#) का गठन किया है।

23वें वधिआयोग के विषय में मुख्य विवरण क्या हैं?

- **अधिशः वर्ष 2020 में गठित 22वें वधिआयोग** के संदर्भ की शर्तों के अनुसार, नवगठित पैनल को [राज्य के नीतिनिदेशक सदिधांतों](#) के आलोक में वर्तमान कानूनों का आकलन करने का कार्य सौंपा गया है।
- **संदर्भ की शर्तें:**
 - [राज्य के नीतिनिदेशक सदिधांतों](#) के संबंध में मौजूदा कानूनों की जाँच करना तथा नदिशक सदिधांतों और संवैधानिक प्रस्तावना के उद्देश्यों के अनुरूप सुधार का सुझाव देना।
 - खाद्य सुरक्षा और [बेरोजगारी](#) पर [वैश्वीकरण](#) के प्रभाव की जाँच करना।
 - हाशयि पर पड़े लोगों के हतियों की सुरक्षा के लिये उपायों की सफिरशि करना।
 - [न्यायकि प्रशासन](#) की समीक्षा करना तथा उसे और अधिक उत्तरदायी व कुशल बनाने के लिये उसमें सुधार करना।
 - इसका उद्देश्य वलिंब को कम करना, उच्च न्यायालय के नयिमों को सरल बनाना और [केस प्रवाह प्रबंधन ढाँचा](#) स्थापति करना।

वधिआयोग क्या है?

- **परचियः** यह वधि और न्याय मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना के माध्यम से कानूनी सुधारों के लिये कानून के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिये गठित एक [गैर-सावधिक नकियाय](#) है।
 - वधिआयोग एक [नशिचति कार्यकाल](#) के लिये स्थापति किया जाता है और वधि एवं न्याय मंत्रालय के लिये एक [सलाहकार नकियाय](#) के रूप में कार्य करता है।
- **वधिआयोग का इतहासः** प्रथम वधिआयोग की स्थापना [चारटर अधनियिम, 1833](#) के तहत वर्ष 1834 में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में की गई थी।
 - इसने [भारतीय दंड संहति](#) और [दंड प्रकरयि संहति](#) के संहतिकरण की सफिरशि की।
 - इसके बाद क्रमशः **1853, 1861 एवं 1879 में दूसरे, तीसरे तथा चौथे** वधिआयोग का गठन किया गया।
 - [भारतीय सविलि प्रकरयि संहति, 1908, भारतीय संवदि अधनियिम, 1872, भारतीय साक्ष्य अधनियिम, 1872 और संपत्ति अंतरण अधनियिम, 1882](#) पहले चार वधिआयोगों द्वारा नरिमति किये गये थे।
- **स्वतंत्रता के बाद वधिआयोग का गठनः** भारत सरकार ने वर्ष **1955 में** स्वतंत्र भारत के पहले वधिआयोग की स्थापना की, जिसके अध्यक्ष भारत के तत्कालीन महान्यायवादी श्री एम. सी. सीतलवाड़ थे।
 - तब से अब तक **23 वधिआयोग** गठित किये जा चुके हैं, जनिमें से प्रत्येक का [कार्यकाल तीन वर्ष](#) का है।
- **वधिआयोग के कार्यः**
 - [अप्रचलति कानूनों की समीक्षा/नरिसनः](#) अप्रचलति और अप्रासंगिक कानूनों की पहचान करना तथा उन्हें नरिस्त करने की सफिरशि करना।
 - [कानून और गरीबीः](#) गरीबों को प्रभावति करने वाले कानूनों की जाँच करना और सामाजकि-आर्थकि कानून का पश्च-लेखा-परीक्षण (post-audit) करना।
 - [नए कानूनों का प्रस्तावः](#) नदिशक सदिधांतों को लागू करना और प्रस्तावना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये नए कानूनों का प्रस्ताव करना।
 - [न्यायकि प्रशासनः](#) सरकार द्वारा संदर्भति कानून और न्यायकि प्रशासन के मुद्दों पर समीक्षा करना तथा सफिरशि करना।
- **महत्त्वपूर्ण रपिरटः** भारतीय वधिआयोग ने अब तक विभिन्न मुद्दों पर 289 रपिरट प्रस्तुत की हैं, जनिमें से कुछ महत्त्वपूर्ण रपिरट इस प्रकार हैं:
 - [रपिरट संख्या 283 \(सितंबर, 2023\)](#): यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधनियिम, 2012 के तहत सहमतिकी आयु।

- रपिर्त संख्या 271 (जुलाई 2017): मानव DNA प्रोफाइलिंग ।
- रपिर्त संख्या 273 (अक्टूबर 2017): यातना के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का कार्यान्वयन ।
- रपिर्त संख्या 274 (अप्रैल 2018): न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 की समीक्षा

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/23rd-law-commission-set-up>

